



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 456 राँची, शुक्रवार

5 आषाढ़, 1937 (श०)

26 जून, 2015 (ई०)

jkT; fuokbu vk; kx] >kj [k.M

आदेश

19 जून, 2015

संख्या: 03नि०-92/2011 रा०नि०आ० 1541 -- यतः राज्य निर्वाचन आयोग को समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट जिला से त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन, 2010 के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी झारखण्ड पंचायत राज अधिनियम, 2001 की धारा 68 क, सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त

सारणी के स्तम्भ (5) में यथा दर्शित अपने निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने / विधि द्वारा अपेक्षित रीति से लेखा दाखिल करने में असफल रहा है ;

और यतः उक्त अभ्यर्थी / अभ्याथियों ने समयक सूचना दिये जाने पर भी उक्त असफलता के लिया कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिये गए अभ्यावेदनों पर, (यदि कोई हो) विचार करने के पश्चात राज्य निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायांचित्य नहीं है ;

अतः इस संबंध में उपायुक्त, सिमडेगा के प्रतिवेदन / अनुपूरक प्रतिवेदन एवं प्राप्त स्पष्टीकरण के समीक्षोपरान्त अब राज्य निर्वाचन आयोग, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10क सहपठित, झारखण्ड पंचायत राज अधिनियम, 2001 की धारा 68 'क' के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को त्रिस्तरीय पंचायत निकायों / स्थानीय नगर निकायों के किसी भी पद या स्थान के लिए चुने जाने और निर्वाचित होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निर्हित किया जाता है।

०६६६	६५५५	६५५५	६५५५	६५५५
१	२	३	४	५
1	fI eMxk	XXI fI eMxk@01&djMx	tfl Urk ydM] xte&>jN] i kQ&gBek] ftyk&fI eMxk	fuokpu 0; ; kadh y{kk nkf[ky djusevI Qy jgA
2		XXI fI eMxk@01&djMx	yhyh vuhrk , Ddk] xte&[kj okVkyh] i kQ&djMx] ftyk&fI eMxk	fuokpu 0; ; kadh y{kk nkf[ky djusevI Qy jgA
3		XXI fI eMxk@02&dj I b]	veu [kj] xte&xkj kj tkj] el>kVkyh] i kQ&xkj kj tkj] ftyk&fI eMxk	fuokpu 0; ; kadh y{kk nkf[ky djusevI Qy jgA
4		XXI fI eMxk@02&dj I b]	MfOM frdk] xte&fI j/kk/kVkyh] i kQ&dj I b] ftyk&fI eMxk	fuokpu 0; ; kadh y{kk nkf[ky djusevI Qy jgA

5		XXI fl eMxk@02&dj b]	ejno ek>h] xte&<k&htkj] i k&V\$ j] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
6		XXI fl eMxk@03&ckyck	jkos ydM] xte&l el jk tVkvkyh] i k&l el jk] Fkkuk&ckyck] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
7		XXI fl eMxk@04&BBbVlkj	ehjk ujkuh ykk] xte&l yxki k] i k&dkjkse; k] Fkkuk&BBbVlkj] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
8		XXI fl eMxk@04&BBbVlkj	jk fdM] xte&nocgkj fxUMjk] i k&nocgkj] Fkkuk&BBbVlkj] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
9		XXI fl eMxk@05&fl eMxk	i lkpu l jhu] xte&l jbkuh] i k&QyokjVlkj] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
10		XXI fl eMxk@05&fl eMxk	y{ehukFk ykojk] xte&ckukchjk] i k&V\$ jk] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
11		XXI fl eMxk@06&ikdjVkm+	vfurk , Ddk] xte&dmUnMhg] i k&dmUnMhg] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
12		XXI fl eMxk@06&ikdjVkm+	vujk fdM] xte&xkBkbZUVlkj 1yg: Vksyh] i k&ikdjVkm] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
13		XXI fl eMxk@06&ikdjVkm+	xkjVh fdM] xte&vkl ucM] i k&dmUnMhg] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA
14		XXI fl eMxk@07&dkyfcjk	eukjek noh] xte&ckdok] i k&ckjk] Fkkuk&dkyfcjk] ftyk&fl eMxk	fuokbu 0; ; kadh y[kk nkf[ky djuseavl Qy jgA

15		XXI fI eMxk@07&dkyfcjk	n'kjFkh dEkjh] xte\$ik@&ypjkh<} Fkkuk&dkyfcjk] ft yk&fI eMxk	fuokbu 0; ; ka dh y{kk nkf[ky djusevl Qy jgA
16		XXI fI eMxk@10&ckuks	MfOM Hkatj] xte&cknyk] ik@&ckdh] Fkkuk&ckuks] ft yk&fI eMxk	fuokbu 0; ; ka dh y{kk nkf[ky djusevl Qy jgA

jkT; fuokbu vk; Dr ds vknsk I §
(g0@&) अस्पष्ट

I fpo
jkT; fuokbu vk; ks]>kj [k.M] jkjh A